क्वाड्रा इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद ने बेलडी गांव में बांटे गिलोय

रुड़की बद्री विशाल। आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्देषित कार्यक्रम आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत क्वाड्रा इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद ने मंगलवार को घर-घर आयुर्वेद हर घर आयुर्वेद कार्यक्रम की शुरूआत की। जिस श्रृंखला में इस्टिट्यूट द्वारा ग्राम बेलडी में जाकर घर-घर में गिलोय के पौधे वितरित किये और जीवन में आयुर्वेद के महत्व को जोड़ते हुये गिलोय से होने वाले लाभ की जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि आयुर्वेद भारतीय संस्कृती से जुड़ी चिकित्सा पद्धती है। जिसके अनूकूल जीवनशैली से व्यक्ति स्वस्थ जीवन, दीर्घायु प्राप्त करता है। आजादी अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत क्वाड्रा इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद द्वारा क्षेत्र में आयुर्वेद जागृति के लिए अनेको जागृति कार्यक्रम किये जायेगें। जिसकी शुरूआत में घर-घर आयुर्वेद हर घर आयुर्वेद कार्यक्रम द्वारा गांव बेलडी में गिलोय वितरण कार्यक्रम किया गया है। इसी श्रृंखला में आगामी कार्यक्रम क्षेत्र के गांव दर गांव किये जायेगें। कार्यक्रम में डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. शैरोन प्रभाकर, डॉ. चारू शर्मा, डॉ. सौरभ चौहान, संजय सैनी एव इंटर्नी आदि मौजूद रहे।

गांव में घर-घर बांटे गिलोय के पौधे

ग्रामीणों को गिलोय के पौधे वितरित करती क्वाड्रा इंस्टीट्यूट की टीम।

रुड़की। आयुष मंत्रालय भारत सरकार के आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत मंगलवार को क्वाड्रा इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में घर-घर आयुर्वेद हर घर आयुर्वेद कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके तहत संस्थान ने घर-घर जाकर गिलोय के पौधे वितरित किए। कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान के पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने ग्राम बेलड़ी में जाकर घर-घर में गिलोय के पौधे वितरित किए और इससे होने वाले लाभ की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि आयुर्वेद भारतीय संस्कृति से जुड़ी चिकित्सा पद्धति है। इसके अनुकूल जीवनशैली से व्यक्ति स्वस्थ जीवन व दीर्घ आयु प्राप्त करता है। कार्यक्रम में डॉ. सौरभ कुमार, डॉ. शैरोन प्रभाकर, डॉ. चारू शर्मा, डॉ. सौरभ चौहान और संजय सैनी आदि मौजूद रहे। संवाद